

समय में इस मीनार पर दीप जलाया जाता था पर अब इससे बिजली की तेज रोशनी यंत्र द्वारा चारों ओर धुमाई जाती है पर्या. दीपस्तंभ, प्रकाश गृह।

प्रकाश रागी पुं. (तत्.) प्रकाश मीनार।

प्रकाशवान वि. (तत्.) चमकता हुआ, चमकदार, चमकीला प्रकाश से युक्त, रोशनी वाला।

प्रकाश वैद्युत वि. (तत्.) प्रकाश या किसी विकिरण के कारण उत्पन्न इलेक्ट्रानिक या विद्युत प्रभाव से संबंधित।

प्रकाश संवेदी वि. (तत्.) 1. प्रकाश या अन्य विकिरण के प्रति संवेदनशील 2. प्रकाश या अन्य विकिरण से प्रभावित हो जाने वाला 3. रसायन विज्ञान में ऐसी वस्तु जिसके विद्युत चुंबकीय विकिरण से रासायनिक परिवर्तन हो सके।

प्रकाश संश्लेषण पुं. (तत्.) रसा. प्रकाश द्वारा हुआ संश्लेषण, प्रकाश से संबद्ध मिलाया हुआ विशे. वनस्पति जगत में उगने और विकसित होने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया photo synthesis

प्रकाश संश्लेषी वि. (तत्.) प्रकाश संश्लेषण द्वारा निर्मित या उससे उत्पन्न, प्रकाश संश्लेषण का उपयोग करके अथवा उससे संबंधित।

प्रकाश स्तंभ पुं. (तत्.) समुद्र में बना हुआ वह ऊँचा स्तंभ जहाँ से बहुत तीव्र प्रकाश निकल कर चारों ओर फैलता है जिससे रात में जलयानों व वायुयानों का पथ प्रदर्शन होता है light house

प्रकाशक पुं. (तत्.) 1. प्रकाश करने वाला, प्रकट करने वाला, दिखलाने वाला; व्यक्त करने वाला, व्याख्या करने वाला 2. वह जो पुस्तक, समाचार-पत्र/पत्रिका आदि छपा कर बेचता या बाँटता हो।

प्रकाशग्राही पुं. (तत्.) [प्रकाश+ग्राही] किसी जीव या उपकरण का वह भाग जो प्रकाश से प्रेरित, उत्तेजित या उद्दीप्त होता हो, प्रकाश प्राप्त करने वाला।

प्रकाशन पुं. (तत्.) 1. प्रकाश करने की क्रिया या भाव, प्रकट करने वाला, प्रसिद्ध करने वाला,

प्रकाश में लाने का काम 2. पुस्तकें, समाचार पत्र, पत्रिकाएं विज्ञापन आदि को छपा कर बेचने या बाँटने का काम 3. प्रकाशित की जाने वाली कोई पुस्तक वि. 1. प्रकाश करने वाला 2. चमकीला, दीप्तिमान।

प्रकाशन अधिकार पुं. (तत्.) 1. किसी पुस्तक, पत्र-पत्रिका आदि को प्रकाशित करने का एकाधिकार, किसी साहित्यिक, वैज्ञानिक या कलात्मक कृति के किसी अंश को या उसके अनुवाद आदि को छापने, बेचने प्रसारित करने का अधिकार।

प्रकाशन वर्ष पुं. (तत्.) पुस्तकों के प्रकाशित होने का वर्ष जो सामान्यतया मुख पृष्ठ पर उसके नीचे दिया जाता है या द्वितीय पृष्ठ पर प्रकाशक व प्रकाशन वर्ष का उल्लेख किया जाता है।

प्रकाशन विज्ञान पुं. (तत्.) भौतिकी की वह शाखा जिसमें प्रकाश और नेत्र-दृष्टि की घटनाओं का अध्ययन होता है, प्रकाश के गुणों और परिघटनाओं, उसकी उत्पत्ति, प्रभाव, देखने में उसकी उपयोगिता, मापन इत्यादि का अध्ययन भी किया जाता है।

प्रकाशन विवरण पुं. (तत्.) किसी पुस्तक आदि के प्रकाशक और मुद्रक का नाम-पता, प्रकाशन की तिथि और स्थान का विवरण, यह सामान्यतया आख्या पृष्ठ पर नीचे दिया जाता है।

प्रकाशनाधिकार पुं. (तत्.) दे. प्रकाशन अधिकार।

प्रकाशनाधीन पुं. (तत्.) [प्रकाशन+ अधीन] पुस्तक के किसी संस्करण के समाप्त हो जाने पर और बाजार में उसकी माँग हाने पर पुनर्मुद्रण का कार्य।

प्रकाशनावधि स्त्री. (तत्.) [प्रकाशन+अवधि] किसी पत्र/पत्रिका के दो अंकों के बीच की समय सीमा अथवा कालावधि।

प्रकाशमान वि. (तत्.) 1. चमकता हुआ, दीप्तिमान 2. प्रकाश की तीव्रता, चमक, वितरण आदि मापने वाला व्यक्ति, पात्र या उपकरण 3. प्रसिद्ध, विख्यात।

प्रकाशात्मक वि. (तत्.) [प्रकाश+आत्मक] प्रकाशमय, उज्ज्वल, नूरानी।